ज़ेड (ज़ीरो डफिक्ट, ज़ीरो इफेक्ट) योजना

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में सरकार ने 'ज़ेड प्रमाणन योजना में एमएसएमई के लयि वत्तिीय सहायता' नामक एक नई योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उदयमों (एमएसएमई) लयि ज़ेड मूल्याँकन के तहत नरि्माण को बढ़ावा देना है। ज़ेड मूल्याँकन का अर्थ है वैसा नरि्माण, जसिमें ज़ीरो डफिक्ट हो यानी उत्पाद गुणवत्ता बनी रहे और ज़ीरो इफेक्ट हो अर्थात् पर्यावरण पर इसका कोई नकारात्मक असर न पड़े।

ज़ेड योजना का उद्देश्य

- उद्योगों के बीच तालमेल के साथ मशीनों, प्रणालयिों और प्रक्रयिाओं के एक पारसि्थतिकिी तंत्र का नरि्माण करना।
- एक देश, एक क्षेत्र, एक व्यवसाय और एक व्यक्ति के परपि्रेक्ष्य में प्रतसि्पर्द्धा की धारणा की जाँच करना।
- रोज़गार के अवसरों को बढ़ाना।
- पर्यावरण संरक्षण के साथ उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार करना।
- एमएसएमई आरम्भ करने वाले लोगों को जागरूक बनाना।
- मूल्याँकन, रेटगिं, सलाह, मार्गदर्शन, पुनर्मूल्याँकन और सभी एमएसएमई को प्रमाणति करना तथा ज़ेड के आधार पर उनका वकिास सुनशि्चति करना।

योजना से लाभ

- अधकि और उच्च गुणवत्ता वाला उत्पादन।
- वेस्टेज कम होगा।
- उत्पादन की लागत कम होगी।
- प्रदूषण कम होगा।
- मानकों के अनुसार उत्पाद बनेंगे।

क्यों महत्त्वपूर्ण है यह योजना ?

- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (Micro, Small and Medium Enterprises – MSMEs) वस्तुतः छोटे आकार के ऐसे उद्यम हैं, जन्हिें उनमें होने वाले नविश के आकार से परभिाषति कयिा जाता है।
- कुशल तथा अर्द्ध-कुशल लोगों के लयि बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर सृजति करके, बड़े उद्योगों को कच्चा माल उपलब्ध कराकर तथा वनिरि्माण क्षेत्र के उत्पादन को बढ़ाकर, नर्यिात में योगदान करके, मूलभूत वस्तुओं के नरि्माण इत्यादि कार्यों के माध्यम से ये अर्थव्यवस्था में बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाते हैं।
- वदिति हो कि उत्पादन के अप्रचलति तरीकों के साथ कार्य करने को मज़बूर एमएसएमई के उत्पाद प्रायः गुणवत्ता के स्तर पर कमज़ोर होते हैं। साथ ही एनवायरनमेंट फ्रेंडली माहौल के अभाव में काम करने के कारण प्रदूषण का कारक भी बन जाते हैं। अतः सरकार की ज़ेड योजना नशि्चति ही एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/zed-scheme-for-msmes